प्रदेश में 107 केंद्रों पर संपन्न हुई यूपीएससी की परीक्षा

अभ्यर्थियों ने कहा इस बार पेपर कठिन रहा
सीसैट पैटर्न ने बढ़ाई मुश्किल

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 24 मई. संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 रविवार को मप्र सहित देशभर में संपन्न हो गई. बता दें इस वर्ष देशभर के 83 परीक्षा केंद्रो पर करीब 8 लाख 19 हजार 372 आवेदन प्राप्त हुए थे.

वहीं आयोग ने इस बार भीड़ कम करने और अभ्यर्थियों को राहत देने के लिए भुवनेश्वर, कानपुर और मेरठ में तीन नए परीक्षा केंद्र शुरू किए. इन तीनों नए केंद्रों के लिए करीब 23 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया. जबकि मप्र में इस बार कुल 4 जिलों में भोपाल समेत इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर शामिल रहे. जिसमें प्रदेश भर में कुल 107 केंद्रो पर परीक्षा संपन्न कराई गयी. जिसमें भोपाल में इस बार 36, इंदौर में 27, ग्वालियर में 21 और जबलपुर में कुल 17 केंद्रों पर परीक्षा संपन्न हुई. हालांकि आयोग आधिकारिक तौर पर राज्य स्तर पर परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों की सूची जारी नहीं करता. लेकिन अनुमानित तौर मप्र में करीब 30 हजार से अधिक विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुये हैं.

मप्र में कड़ी निगरानी के बीच हुई परीक्षा

मप्र में भी यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में इंदौर में करीब 12 हजार, ग्वालियर में करीब 6 हजार 652 जबलपुर में करीब 5 हजार 425 अभ्यर्थियों ने आवेदन किये थे. वहीं भोपाल में करीब 12 हजार 91 अभ्यर्थियों में से केवल 7 हजार 885 अभ्यर्थी ही शामिल हुये. जबकि 4 हजार 206 अनुपस्थित रहे. वहीं शहरों में सुबह से ही परीक्षा केंद्रों के बाहर अभ्यर्थियों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। प्रशासन और पुलिस की निगरानी में परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया गया.हालांकि भोपाल समेत कई परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों के मात्र 1 से 2 मिनट देरी होने के कारण उन्हें परीक्षा से वंचित रहना पड़ा. जिसमें सुभाष एक्सीलेंस स्कूल भोपाल केंद्र पर भी करीब 7 से 8 विद्यार्थियों की परीक्षा देरी के कारण छूट गई.

अभ्यर्थियों ने कहा सीसैट में पैटर्न बदला

इस बार का पेपर अच्छा था, जो पढ़ा था उसके अनुसार लगता है कि मेहनत रंग ला सकती है. सी- सैट को लेकर लोग कह रहे हैं थोड़ा कठिन था, लेकिन ये तैयारी के उपर निर्भर करता है कि पेपर कैसा था.
-अजय पाल, अभ्यर्थी

ये मेरा दूसरा अटेम्ट था, लेकिन सीसैट में प्रश्न थोड़े ज्यादा लंबे थे, इसे पढ़ने और समझने में ही समय ज्यादा जा रहा था. हालांकि टार्गेट मैच कर लिया है, अब आगे देखते हैं.
-दीक्षा जैन. अभ्यर्थी

हर बार से ऐसा लगता है पेपर थोड़ा ज्यादा कठिन था, प्रश्न बड़े आये थे, पढ़ने में ही समय जा रहा था. सी- सैट का पैटर्न भी थोड़ा बदला हुआ लग रहा था.
-वंशिका तोमर, अभ्यर्थी

एंट्री से पहले तीन स्तर पर हुई जांच

परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे. अभ्यर्थियों को केवल ई प्रवेश पत्र और मूल फोटो पहचान पत्र के आधार पर ही प्रवेश दिया गया. केंद्रों पर फेस ऑथेंटिकेशन प्रक्रिया के जरिए एडमिट कार्ड की फोटो से अभ्यर्थियों के चेहरे का मिलान किया गया. इसके बाद मेटल डिटेक्टर से तलाशी ली गई. वहीं मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, डिजिटल घड़ी और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स उपकरण पूरी तरह प्रतिबंधित रहे.

स्टेशनों पर वाटर वेंडिंग मशीन का निरीक्षण

यात्रियों को अपनी पानी की बोतल उपयोग करने के लिए किया जागरूक

भोपाल, 24 मई. विश्व पर्यावरण संरक्षण और सिंगल यूज़ प्लास्टिक उन्मूलन के उद्देश्य से भोपाल मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर रविवार को जल पुनर्भरण केंद्रों का विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया.

यह अभियान मंडल के इंजीनियरिंग और वाणिज्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया गया. अभियान के दौरान रेलवे स्टेशनों पर स्थापित वाटर रिफिल पॉइंट्स, पेयजल सुविधाओं और स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण किया गया. अधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया कि यात्रियों को स्वच्छ और सुगम पेयजल सुविधा उपलब्ध हो सके.

साथ ही यात्रियों को अपनी व्यक्तिगत पानी की बोतलों का उपयोग करने और उन्हें रिफिल करने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि सिंगल यूज़ प्लास्टिक बोतलों के उपयोग को कम किया जा सके. रेलवे के वाणिज्य विभाग ने स्टेशनों की सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से यात्रियों को प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया. उद्घोषणाओं में यात्रियों से अपील की गई कि वे प्लास्टिक बोतलों और अन्य सिंगल यूज़ प्लास्टिक वस्तुओं का सीमित उपयोग करें.

कौशल प्रशिक्षण के आवेदन शुरू

भोपाल. मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड ने वर्ष 2026-27 के कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है. इच्छुक अभ्यर्थी 12 जून 2026 तक की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं. योजना के तहत प्रदेश के प्रत्येक जिले में सामान्य रूप से 30 प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया जाएगा, जिसमें 30 प्रतिशत महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी. आवेदन के लिए अभ्यर्थी का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना जरूरी है. आयु सीमा 18 से 45 वर्ष निर्धारित की गई है. साथ ही आवेदक ने पहले किसी शासकीय विभाग से नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया हो.

300 फीट लंबी चुनरी सीएम करेंगे अर्पित

भोपाल, 24 मई. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गंगा दशहरा के पावन अवसर पर प्रदेशभर में जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया है.

उन्होंने कहा कि पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण वर्तमान और भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी जरूरी है. इसी उद्देश्य से 25 मई को पूरे मध्यप्रदेश में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के तहत व्यापक जल संरक्षण गतिविधियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में कुओं, बावड़ियों, तालाबों, नहरों और घाटों की साफ-सफाई के साथ बंद पड़े बोरवेल के पास रिचार्ज पिट निर्माण जैसे कार्यों में श्रमदान कराया जाएगा. गंगा दशहरा के अवसर पर उज्जैन में 25 और 26 मई को दो दिवसीय भव्य 'शिप्रा तीर्थ परिक्रमा' का आयोजन किया जाएगा.

संगठन महामंत्री जामवाल ने जिला प्रशिक्षण वर्ग में सत्र को किया संबोधित

विदिशा, 24 मई. भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने रविवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के तहत विदिशा में आयोजित जिला प्रशिक्षण वर्ग में सत्र को संबोधित किया.

शातिर बदमाश अवैध पिस्टल और जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार

धार. जिले की नौगांव थाना पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी और गंभीर वारदात की आशंका के बीच कार्रवाई करते हुए इंदौर के एक आदतन बदमाश को अवैध देशी पिस्टल और जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया है. जबकि उसका एक साथी मौके से फरार हो गया. पुलिस सूत्रों के अनुसार नौगांव पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि इंदौर-अहमदाबाद फोरलेन मार्ग पर मागोद की ओर से स्कूटी पर सवार दो युवक अवैध हथियार लेकर किसी गंभीर वारदात को अंजाम देने की नीयत से इंदौर जा रहे हैं. सूचना मिलते ही पुलिस ने जैतपुरा के आगे फोरलेन हाईवे पर घेराबंदी की.

नौतपा से पहले ही तपने लगा मध्यप्रदेश

37 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी
04 दिनों तक राहत की संभावना नहीं

भोपाल, 24 मई. नौतपा शुरू होने से पहले ही मध्यप्रदेश भीषण गर्मी और लू की चपेट में आ गया है. प्रदेश के कई जिलों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है.

सबसे ज्यादा गर्मी छतरपुर जिले के नौगांव में रिकॉर्ड की गई, जहां पारा 45.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया. खजुराहो 45.4 डिग्री के साथ दूसरे स्थान पर रहा. मौसम विभाग ने प्रदेश के 37 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है और अगले चार दिनों तक राहत की संभावना से इनकार किया है.

मौसम विभाग के मुताबिक टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना और सतना जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है, जहां तीव्र लू चलने की आशंका है. वहीं दतिया, निवाड़ी, सागर, दमोह, कटनी, रीवा और सिंगरौली समेत 11 जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है. इसके अलावा ग्वालियर, उज्जैन, मंदसौर, शाजापुर और जबलपुर सहित 22 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है. प्रशासन ने लोगों से दोपहर के समय घरों से बाहर न निकलने की अपील की है.

गर्म हवा ने जनजीवन को प्रभावित किया

दतिया में तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि जबलपुर, शाजापुर, दमोह और टीकमगढ़ में भी पारा 44 डिग्री तक पहुंच गया. रीवा, राजगढ़, सतना और मलाजखंड में तापमान 43.6 डिग्री के आसपास रहा. राजधानी भोपाल में 41.6 डिग्री, इंदौर में 41 डिग्री और ग्वालियर-उज्जैन में 43 डिग्री तक तापमान रिकॉर्ड किया गया. तेज धूप और गर्म हवाओं ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है. दोपहर के समय सड़कें सुनसान नजर आ रही हैं.

गेहूं खरीदी में किसानों से धोखा कर रही सरकार

राष्ट्रीय सचिव चौधरी ने किसानों को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का लगाया आरोप

विशेष संवाददाता

भोपाल, 24 मई. अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी ने रविवार को भाजपा सरकार पर किसानों के साथ धोखा करने, गेहूं खरीदी व्यवस्था को अव्यवस्थित बनाने और किसानों को आर्थिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया.

भोपाल में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि सरकार गेहूं खरीदी को लेकर झूठे और विरोधाभासी दावे कर रही है. कुणाल चौधरी ने कहा कि सरकार 95 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदी का दावा कर रही है, जबकि प्रदेशभर में अब भी करीब 160 लाख मीट्रिक टन गेहूं किसानों के पास पड़ा हुआ है. इससे साफ है कि बड़ी संख्या में किसान अब तक अपनी उपज खरीदी केंद्रों तक नहीं पहुंचा पाए हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार किसानों से 'एक-एक दाना' खरीदने का वादा पूरा करने में विफल रही है.

प्रदेश के लगभग आधे किसान अभी भी स्लॉट बुकिंग के इंतजार में हैं. उन्होंने ऑनलाइन व्यवस्था पर तंज कसते हुए कहा कि सरकार ने पूरी प्रक्रिया इतनी ऑनलाइन कर दी है कि 'लाइन में खड़ा किसान ही ऑफलाइन हो रहा है.' कांग्रेस नेता ने कहा कि खरीदी केंद्रों पर लगातार सर्वर डाउन होने से किसानों को भीषण गर्मी में घंटों इंतजार करना पड़ रहा है. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने पहले खरीदी अवधि बढ़ाने की घोषणा की, लेकिन बाद में स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 30 मई के बजाय 28 मई कर दी. उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली कटौती, सोयाबीन के दामों में असमानता और केंद्र सरकार की विदेश नीति पर भी सवाल उठाए. चौधरी ने मांग की कि सरकार तुरंत खरीदी अवधि बढ़ाए, सभी किसानों को स्लॉट उपलब्ध कराए और समर्थन मूल्य पर पूरी फसल खरीदे.

20 लाख का गोल्ड लेकर फरार

इंदौर. एमजी रोड थाना क्षेत्र में गोल्ड लोन कंपनी की शाखा में 20 लाख रुपए के सोने की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है. आरोपी सोना लेकर फरार हो गया और संपर्क भी बंद कर दिया. घटना जवाहर मार्ग स्थित मनप्पुरम शाखा की है. फरियादी आशुतोष पाण्डेय ने पुलिस को की शिकायत में बताया कि खातीपुरा निवासी सपना मालाकार ने षड्यंत्रपूर्वक धोखाधड़ी करते हुए करीब 20 लाख रुपए का गोल्ड लेकर हड़प लिया. घटना के बाद से आरोपी का मोबाइल बंद है और संपर्क नहीं हो पा रहा है. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है.

अपराधियों पर एमपी पुलिस का महाअभियान

2100 से अधिक वारंट प्रदेशभर में तामील

विशेष संवाददाता

भोपाल, 24 मई. मध्यप्रदेश पुलिस ने अपराधियों, फरार वारंटियों और असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसने के लिए प्रदेशव्यापी व्यापक कॉम्बिंग अभियान चलाते हुए हाल के महीनों की सबसे बड़ी समन्वित कार्रवाई को अंजाम दिया.

देर रात से शुरू होकर सुबह तक चले इस विशेष अभियान में राज्यभर में 2500 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया. वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की निगरानी में संचालित इस अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने 2100 से अधिक वारंटों की तामील कर फरार और आदतन अपराधियों के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की.

जबलपुर में पुलिस ने 191 वारंट किए तामील

पुलिस ने सूचीबद्ध बदमाशों, हिस्ट्रीशीटरों, निगरानीशुदा अपराधियों और जिलाबदर आरोपियों की सघन जांच भी की. इसके साथ ही अवैध शराब कारोबार, जुआ, मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई. ग्वालियर इस अभियान का प्रमुख केंद्र रहा, जहां पुलिस ने 249 फरार वारंटियों को गिरफ्तार किया. इनमें 121 स्थायी वारंटी और 128 गिरफ्तारी वारंट वाले आरोपी शामिल हैं. जबलपुर में पुलिस ने 191 वारंट तामील किए.

गंभीर जल संकट | प्यासा इंदौर पूछ रहा है, भाजपा ने 25 वर्षों में पानी क्यों नहीं दिया : पटवारी

इंदौर गहरे जल संकट की ओर, सरकार जिम्मेदार : जीतू

विशेष संवाददाता

भोपाल/इंदौर, 24 मई. देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में पहचान बनाने वाला इंदौर अब गंभीर जल संकट की ओर बढ़ रहा है. मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि शहर में बढ़ती पानी की समस्या केवल गर्मियों का मौसमी संकट नहीं, बल्कि वर्षों की प्रशासनिक विफलताओं और अव्यवस्थित शहरी विस्तार का परिणाम है.

इंदौरवासियों के नाम लिखे खुले पत्र में पटवारी ने कहा कि लगातार भाजपा को राजनीतिक समर्थन देने और प्रदेश की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान करने वाले इंदौर के नागरिक आज पानी के लिए टैंकरों पर निर्भर होने को मजबूर हैं. कई इलाकों में लोगों को घंटों कतारों में खड़े होकर पानी जुटाना पड़ रहा है.

उन्होंने भागीरथपुरा में कथित रूप से दूषित पानी से हुई मौतों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह घटना सरकार की जल प्रबंधन को लेकर गंभीर लापरवाही को उजागर करती है. पटवारी ने सवाल उठाया कि सत्ता में कई वरिष्ठ मंत्रियों और नेताओं का प्रतिनिधित्व होने के बावजूद इंदौर जैसी महत्वपूर्ण नगरी बुनियादी आवश्यकता पानी के संकट से क्यों जूझ रही है.

उन्होंने आरोप लगाया कि अनियंत्रित कंक्रीटीकरण, तालाबों का सिकुड़ना, भूजल स्तर में लगातार गिरावट और दीर्घकालिक जल नीति के अभाव ने स्थिति को और भयावह बना दिया है. उन्होंने यह भी कहा कि राजनीतिक संरक्षण में टैंकर माफिया सक्रिय हैं और जनता की परेशानी से लाभ कमा रहे हैं.

पटवारी ने चेतावनी दी कि यदि भूजल का दोहन इसी तरह जारी रहा तो आने वाले वर्षों में उद्योग, व्यापार, निवेश और शहर के विकास मॉडल पर गंभीर असर पड़ेगा. उन्होंने कहा, 'मेट्रो परियोजनाएं, फ्लाईओवर और ऊंची इमारतें किसी शहर को जीवित नहीं रखतीं, पानी रखता है.'

उन्होंने मानसून से पहले जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की अपील करते हुए वर्षा जल संचयन को अनिवार्य करने, पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन, भूजल निगरानी और अवैध जल दोहन पर सख्त कार्रवाई की मांग की.

मगरमच्छ के हमले में युवक की मौत, 14 घंटे बाद नदी से मिला शव

मुरैना. जिले में चंबल नदी किनारे मगरमच्छ के हमले में एक युवक की मौत हो गई. एसडीआरएफ की टीम ने करीब 14 घंटे के रेस्क्यू अभियान के बाद आज सुबह युवक का शव नदी से बरामद किया.पुलिस सूत्रों के अनुसार सरायछोला थाना क्षेत्र के ग्राम रिठोरा निवासी अनिल गुर्जर (19) अपने दोस्तों के साथ चंबल नदी किनारे बीहड़ क्षेत्र में बकरियां चराने गया था. इसी दौरान वह नदी किनारे शौच करने गया, तभी अचानक मगरमच्छ ने उस पर हमला कर दिया और उसे खींचकर गहरे पानी में ले गया. घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी.

मोबाइल टॉवर पर चढ़े युवक को पुलिस ने सकुशल बचाया

विशेष संवाददाता

भिंड, 24 मई. जिले के गोहद चौराहा थाना क्षेत्र में मध्यप्रदेश पुलिस का साहसिक और मानवीय चेहरा उस समय सामने आया, जब शराब के नशे में एक युवक भिंड रोड स्थित एयरटेल मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया.

देर रात चले रोमांचक रेस्क्यू अभियान में पुलिस ने सूझबूझ और बहादुरी का परिचय देते हुए युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया. 23 मई को सूचना मिलते ही थाना प्रभारी रामनरेश यादव अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे, जबकि एसडीओपी महेन्द्र गौतम ने स्वयं रेस्क्यू अभियान की कमान संभाली. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ टीम और गोहद नगर पालिका की फायर ब्रिगेड को भी बुलाया गया.

पुलिस अधिकारियों ने मोबाइल फोन और पीए सिस्टम के जरिए युवक से लगातार बातचीत की. लेकिन नशे की हालत में वह किसी की बात सुनने को तैयार नहीं था. इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से रेस्क्यू अभियान चलाया गया. आरक्षक परशुराम रावत ने अपनी जान जोखिम में डालकर टॉवर पर चढ़ाई की और रस्सियों की मदद से युवक को सुरक्षित नीचे उतारने में अहम भूमिका निभाई.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा 3, इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल माहेश्वरी मार्ग, महाराणा प्रताप नगर, जोन-1, भोपाल से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स से मुद्रित. संपादक दिलीप झा*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-4939198, ईमेल-bhopalnav@gmail.com RNI Reg. No. 35046/56 डाक पंजीयन क्रमांक M.P/B.P.L/711/2012-14